



प्रशिक्षण शिविर में किया 80 पशुओं का उपचार

जागरण संवाददाता, कैथल : केंद्रीय मृदा लवणता अनुसंधान संस्थान की ओर से गांव कठवाड़ में किसान पहले परियोजना के तहत पशु चिकित्सा प्रशिक्षण एवं परामर्श शिविर का आयोजन किया गया।

शिविर में विभिन्न बीमारियों से पीड़ित 80 पशुओं का मौके पर ही उपचार किया गया। नस्ल सुधार के लिए 20 पशुओं का कृत्रिम गर्भाधान किया गया। शिविर का आयोजन संस्थान के निदेशक डॉ. प्रबोध चंद्र शर्मा की देखरेख में हुआ। संयोजक डॉ. परविंद्र श्योराण ने परियोजना के बारे में बताते हुए कहा कि किसानों को अपनी आजीविका के लिए कृषि के साथ साथ पशुधन को भी व्यवसाय के रूप में अपनाना होगा। राष्ट्रीय डेयरी अनुसंधान

संस्थान करनाल से आए डॉ. महेंद्र सिंह ने किसानों को पशुओं की अच्छी नस्ल पालने, संतुलित आहार हेतु खनिज लवण मिश्रण का उपयोग, टीकाकरण कार्यक्रम, बीमारियों जैसे थनैला रोग, रिपिट ब्रीडिंग की पहचान एवं समाधान के बारे में उचित जानकारी दी। उन्होंने किसानों को पशु आवास में साफ-सफाई पर विशेष ध्यान देने एवं कृत्रिम गर्भाधान से अच्छी नस्ल के पशु तैयार करने पर बल दिया। प्रशिक्षण शिविर में भाग लेने वाले 170 किसानों को मिनरल-मिक्चर, पेट के कीड़े, चिचड़ी की मुफ्त दवाई भी दी गई। इस अवसर पर किसान सरपंच गुलाब सिंह, प्यारे लाल, तरसेम, लख्मीचंद, रामनाथ, रामफल ग्योंग मौजूद थे।